Toppersnotes®
Unleash the topper in you

RAJASTHAN - CET

स्नातक स्तर

समान पात्रता परीक्षा

भाग – 2

भारत का सामान्य ज्ञान

SIERRA INNOVATIONS

RAJASTHAN – (CET)

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
	भारत का भूगोल	
1.	भारत का विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक भू–भाग	4
3.	भारतीय मानसून	11
4.	भारत का अपवाह तंत्र	20
5.	वन्य जीव जन्तु एवं अभ्यारण	29
6.	जलवायु	35
7.	भारत में खनिजों का वितरण	38
8.	भारत के प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक प्रदेश	41
9.	परिवहन	44
10.	कृषि	48
	आधुनिक भारत का इतिहास	
1.	भारत में यूरोपियन शक्तियों का आगमन	52
2.	मराठा शक्ति का उत्कर्ष	55
3.	अंग्रेजो की भू–राजस्व पद्धतियाँ	57
4.	गवर्नर व वायसराय	59
5.	1857 की क्रान्ति	64
6.	प्रमुख आन्दोलन	65
7.	कांग्रेस अधिवेशन	69
8.	भारतीय क्रांतिकारी संगठन	80
9.	स्वातंत्र्योत्तर सुदृढ़ीकरण और पुनर्गठन	82
10.	नेहरू युग में सांस्थानिक निर्माण, विज्ञान एवं तकनीकी का विकास	89
	भारतीय संविधान	
1.	संविधान का विकास	92
2.	संविधान की पृष्ठभूमि	93
3.	संविधान के भाग	95
4.	अनुसूचियां	107
5.	प्रस्तावना	108

6.	संघ	114
7.	संसदीय समितिया	122
8.	न्यायपालिका	123
9.	राज्य	125
10.	आपतकालीन उपबंध	129
11.	जनहित याचिका	131
12.	संविधान संशोधन	133
13.	भारतीय राजव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य	137
14.	प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद	144
15.	भारत निर्वाचन आयोग	150
16.	नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	152
17.	केन्द्रीय सूचना आयोग	155
18.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग	157
19.	लोकपाल और लोकायुक्त	160
20.	स्थानीय स्वशासन और पंचायती राज	162
	भारतीय अर्थव्यवस्था	
1.	राष्ट्रीय आय	181
2.	सब्सिडी एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली	185
3.	लोक वित्त	191
4.	बजट निर्माण	201
5.	भारत में कर सुधार (GST)	208
6.	भारत में बैंकिंग	217
7.	मौद्रिक नीति	230
8.	ई–कॉमर्स	234
9.	आर्थिक सुधार	239
10.	आर्थिक संवृद्धि एवं विकास	244
11.	अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र	248
12.	भारत में योजनाएँ	263
13.	हरित क्रांति	268
14.	प्रमुख आर्थिक समस्या	272

भारत का अपवाह तंत्र
(Drainage System of India)

- जिस मार्ग से बहते हुए नदी आगे बढ़ती है, वह नदी का 'अपवाह (Drainage Channel)' कहलाता है
- बहुत-सी नदियों के मिलने से किसी क्षेत्र में एक 'अपवाह तंत्र' का निर्माण होता है ।
- वह क्षेत्र जहाँ से वर्षा अथवा हिमनदों से मिलने वाला जल किसी नदी विशेष तक पहुँचता है, वह क्षेत्र उस नदी का बेसिन (Basin) कहलाता है ।
- भारत के अपवाह तंत्र को नदियों के स्रोत के आधार पर दो वर्गो में विभाजित किया जा सकता
  1. हिमालय अपवाह तंत्र (Himalaya Drainage System)
  2. प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र (Peninsular Drainage System)

हिमालय अपवाह तंत्र
(Himalaya Drainage System)

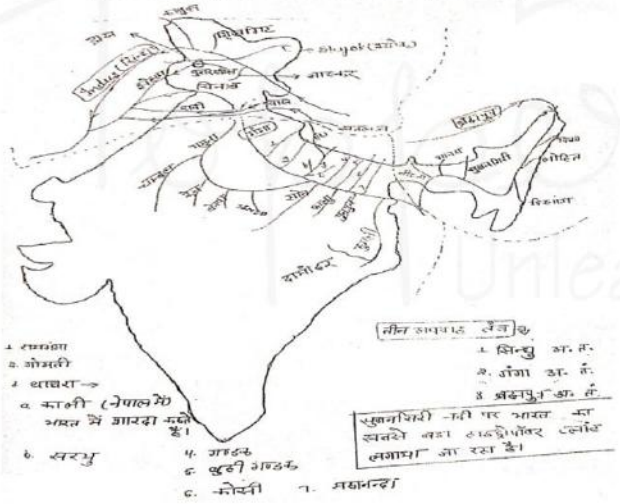

- हिमालय अपवाह तंत्र को मुख्य नदियों के आधार पर तीन भागों में बाँटा जा सकता है-
  1. सिन्धु अपवाह तंत्र
  2. गंगा अपवाह तंत्र
  3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

1. सिन्धु अपवाह तंत्र

सिंधु नदी का उपनाम इण्डस है, तथा भारत का इंडिया नाम सिंधु नदी के उपनाम इंडस से ही बना है ।

सिंधु नदी कि कुल लम्बाई 710 किमी. है ।

यह नदी पाकिस्तान कि सबसे बडी नदी है तथा पाकिस्तान कि राष्ट्रीय नदी है ।

- भारत के प्रथम वेद ऋग्वेद में सिन्धु नदी का 176 बार सिंधु शब्द का उल्लेख हुआ है । जो एक महत्वपूर्ण बात है ।
- यह अपवाह तंत्र मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश व पंजाब राज्य में स्थित है ।
- सिन्धु नदी का उद्गम तिब्बत में कैलाश पर्वत के हिमनदों से होता है तथा जम्मू-कश्मीर में यह नदी लद्दाख तथा जास्कर श्रेणी के मध्य बहती है ।
- काबुल, गिलगिट तथा श्योक इसकी प्रमुख दाँये हाथ की सहायक नदियाँ है तथा जास्कर, दरास तथा पंचनद (सतलज, रावी, झेलम, चेनाब, व्यास) इसकी प्रमुख बाँये हाथ की नदियाँ है ।
- 'पंचनद' सिन्धु से पाकिस्तान के मिठानकोट नामक स्थान पर मिलती है तथा सिन्धु कराची के नजदीक डेल्टा बनाने के पश्चात् अरब सागर में जाकर गिरती है
- 'लद्दाख' की राजधानी 'लेह' सिन्धु नदी के किनारे ही स्थित है ।

सिन्धु की प्रमुख सहायक नदियाँ

(a). झेलमः-

- इस नदी का उद्गम जम्मू-कश्मीर में स्थित 'वेरिनाग झील' से होता है ।
- वेरिनाग के पास शेषनाग झील निकलती है ।
- इसी कुल लंबाई 725 किमी. है तथा इसकी सहायक नदियां किशनगंगा (निलम) कुन्हट, पुंछ, करवेश आदि के निकट स्थित शहर श्रीनगर उरी, बारीमुला आदि है ।
- उरी बांध बरामुला जिला, जम्मू-कश्मीर राज्य भारत में है । किशनगंगा बांध - जम्मू कश्मीर-भारत
- मगला बांध - मिरपुर - POK
- यह नदी 'वुलर झील' का निर्माण करती है, जो कि भारत की सबसे बडी मीठे पानी की झील है
- 'किशनगंगा' इसकी प्रमुख सहायक नदी है ।
- 'श्रीनगर' झेलम नदी के किनारे बसा है ।
- यह नदी भारत व पाकिस्तान के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।
- इस नदी पर 'तुलबुल परियोजना' प्रस्तावित है, जो कि एक नौवहन परियोजना है ।

(b). चेनाबः–

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में 'बारालाचा दर्रे' के नजदीक से निकलने वाली 'चन्द्र' व 'भागा' नदियों के मिलने से होता है। चन्द्र+भागा = चन्द्रभागा (H.P) चेनाव (J&K)
- प्राचीन भारत में चिनाब को अस्किनी या इस्कमती कहा जाता था। इसकी कुल लंबाई 960 किमी. है। इस नदी कि प्रमुख सहायक नदियां मियार नाला, मारसुन्दर, सोहन, भुटनाजा आदि है।
- इस नदी पर दुलहस्ती, सलाल व बगलीहार परियोजना स्थित है। जो कि जम्मू–कश्मीर में 'जल विद्युत परियोजना' है।

(c). रावीः–

- इस नदी का उदगम हिमाचल प्रदेश में 'रोहतांग दर्रे' (लेह, मनाली के पास) के नजदीक होता है।
- रावी नदी कि कुल लंबाई 720 किमी. है तथा इसके उपनाम–इरावती, परूषनी, हैशस्टर या हैड्राडॉटस है।
- किनारे पर स्थित शहर या नगर – भरमौर, होली, माधोपुर, चम्बा, सरोल आदि है।
- इसकी प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  - हडसर परियोजना
  - भरमोर परियोजना
  - हिब्रा परियोजना
  - होली परियोजना
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'चमेरा बांध' स्थित है
- इस नदी पर वर्तमान में पंजाब राज्य में 'थीन परियोजना (रंजीत सागर बांध परियोजना)' का विकास किया जा रहा है।

(d). व्यास

- इस नदी का उदगम 'रोहतांग दर्रे' के नजदीक 'व्यास कुण्ड' से होता है।
- इस नदी कि कुल लम्बाइ 470 किमी. है।
- प्रमुख नदी घाटी परियोजना
  (1) पार्वती जल विद्युत परियोजना
  (2) शानद जल विद्युत परियोजना
- इस नदी के किनारे स्थित प्रमुख शहर या नगर कुल्लू, मनाली, बाजौरा, पठानकोट, कपूरथला, होशियारपुर है।
- यह नदी पंजाब में हरिके नामक स्थान पर सतलज से जाकर मिलती है।
- इस नदी पर हिमाचल प्रदेश में 'पोंग बांध' स्थित है, जिससे 'महाराणा प्रताप सागर परियोजना' का निर्माण होता है।

(e). सतलजः–

- इस नदी का उदगम तिब्बत में राकास ताल/राक्षस झील से होता है तथा यह शिपकिला दर्रे के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है।
- यह बारहमासी बहने वाली नदियों में से एक नदी है।
- हिमाचल प्रदेश में इस नदी पर 'नाथपा झाकडी परियोजना' स्थित है।
- पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश सीमा क्षेत्र में इस नदी पर 'भांखडा–नांगल परियोजना' स्थित है।
- 'भांखडा बांध' से 'गोविन्द सागर जलाशय (हिमाचल प्रदेश)' का निर्माण होता है।
- हरिके नामक स्थान पर इस नदी से 'इन्दिरा गाँधी नहर' का उदगम होता है।

2. गंगा अपवाह तंत्र

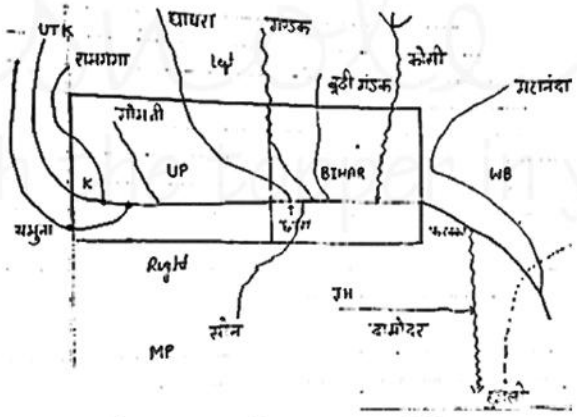

- गंगा नदी तथा उसकी सहायक नदियों का अपवाह तंत्र विभिन्न राज्यों में स्थित है।
  e.g.- उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड तथा पश्चिम बंगाल
- गंगा को बांग्लादेश में पद्मा के नाम से जाना जाता है।
- गंगा नदी की कुल लम्बाई 2525 किमी. (लगभग 2500 किमी.) है।
- गंगा नदी उत्तराखण्ड में देवप्रयाग नामक स्थान से निकलती है जहाँ भागीरथी तथा अलकनंदा नदियाँ मिलती है।

- भागीरथी नदी की सहायक नदी भीलांगना इसरे टिहरी नामक स्थान पर मिलती है जहाँ भारत का सबसे ऊँचा बांध स्थित है ।
- अलकनंदा नदी पर विभिन्न प्रयाग स्थित है । **e.g.-** विष्णुप्रयाग, कर्णप्रयाग, रूद्रप्रयाग **etc.**

1. गंगा की दांये हाथ की प्रमुख नदियाँ:-

(a). यमुना:-

- गंगा की सबसे लम्बी सहायक नदी ।
- इस नदी का उदगम उत्तराखण्ड में यमुनोत्री हिमनद से होता है तथा यह नदी हरियाणा तथा दिल्ली से बहते हुए उत्तरप्रदेश में इलाहाबाद में गंगा नदी से आकर मिलती है
- आगरा तथा मथुरा इसी नदी के किनारे बसे है ।
- भारत कि राजधानी नई दिल्ली यमुना नदी के किनारे स्थित है ।
- चम्बल, केन, बेतवा, सिन्ध इसकी कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(b). सोन:-

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में अमरकंटक पठार से होता है तथा यह नदी उत्तर दिशा की ओर बहते हुए बिहार में 'सोनपुर' नामक स्थान पर गंगा में आकर मिलती है । (सोनपुर में विश्व का सबसे बडा पशु मेला लगता है ।)
- 'रिहंद' सोन की एक प्रमुख सहायक नदी है
- रिहंद नदी पर उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सीमा क्षेत्र में 'रिहंद बांध' स्थित है, जिससे 'गोविन्द वल्लभ पंत सागर जलाशय (छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश)' का निर्माण होता है ।

2. गंगा की बांये हाथ की प्रमुख नदियाँ

(a). रामगंगा

(b). गोमती

- इस नदी का उदगम कुमायूँ हिमालय (गढवाल) जिले से होता है ।
- लखनऊ तथा जौनपुर शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). घाघरा :-

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- यह नदी नेपाल में 'कर्णाली' नाम से जानी जाती है

  शारदा:- इस नदी का उदगम नेपाल से होता है तथा यह नेपाल में 'काली' के नाम से जानी जाती है । यह नदी उत्तराखण्ड व नेपाल के मध्य अन्तर्राष्ट्रीय सीमा का निर्माण करती है ।

  सरयू :- 'अयोध्या' सरयू नदी के किनारे बसा है ।

(d). गण्डक

(e). बुढी गण्डक

(f). कोसी:-

- इस नदी का उदगम 'तिब्बत के पठार' से होता है
- भारत में यह नदी बिहार राज्य में बहती है ।
- गंगा में सर्वाधिक मात्रा में जल लेकर आने वाली नदी
- इसे 'बिहार का शोक' कहते है ।

दामोदर नदी

- यह नदी हुगली नदी की सहायक नदी है ।
- इस नदी का उदगम झारखण्ड में छोटा नागपुर पठार से होता है ।
- इस नदी की घाटी कोयले के भण्डारों के लिए विख्यात है तथा इसे 'भारत की रूर घाटी' भी कहा जाता है ।
- पूर्व में दामोदर नदी हर वर्ष बाढ लेकर आती थी, जिसके कारण इसे 'बंगाल का शोक' कहा जाता था।
- बाढ को नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र भारत की पहली बहु-उद्देशीय नदी घाटी परियोजना का विकास इसी नदी पर किया गया है । इसे 'दामोदर नदी घाटी परियोजना' कहा जाता है । (टेनिसी परियोजना पर आधारित जो मिसीसीपी नदी की सहायक नदी है ।)
- कोनार, मिठोन, बाराकर, तिलैया दामोदर नदी घाटी परियोजना के अन्तर्गत विकसित किए गए कुछ बांध है
- दामोदर एक अत्यधिक प्रदूषित नदी है तथा जैविक दृष्टि से एक मृत नदी है ।

3. ब्रह्मपुत्र अपवाह तंत्र

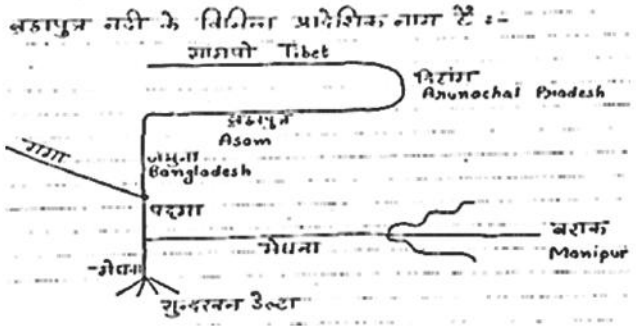

- इस अपवाह तंत्र का निर्माण ब्रह्मपुत्र तथा उसकी सहायक नदियों द्वारा किया गया है ।

- 'ब्रह्मपुत्र नदी' का उद्गम 'तिब्बत के पठार' से होता है तथा यह नदी नामचा बरवा चोटी के नजदीक स्थित एक गहरी घाटी के माध्यम से भारत में प्रवेश करती है ।
- भारत की सर्वाधिक मात्रा में जल ले जाने वाली नदी है ।
- सपीपा नगर में दो सहायक नदियां, दिबांग एवं लोहित मिलन के बाद इस नदी का नाम ब्रह्मपुत्र हो जाता है ।
- तीस्ता, मानस, सुबनसिरी इसकी दांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है तथा दिबांग, दिहांग, लोहित बांये हाथ की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- इस नदी के मध्य क्रम में 'माजुली द्वीप' स्थित है, जो कि भारत का सबसे बडा नदी द्वीप है ।
- इसकी अन्य सहायक नदियां सुबनागिरी, धनश्री, पुथीमारी एवं मानस है ।
- भारत में सर्वाधिक जल विद्युत क्षमता इसी नदी में पाई जाती है ।
- यह बांग्लादेश में जाकर पद्मा में मिल जाती है । तथा बांग्लादेश में इस नदी को मेहाना के नाम से जाना जाता है ।
- गंगा व ब्रह्मपुत्र का मिलन ग्वालण्डा के पास होता है ।

प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र
(Peninsular Drainage System)

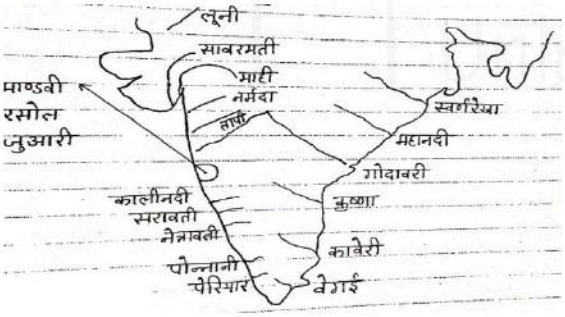

- प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र की नदियों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है-

1. पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ

(a). स्वर्णरेखा नदीः-

- इस नदी का उद्गम झारखण्ड में 'रांची के पठार' से होता है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है

(b). महानदीः-

- इस नदी का उद्गम 'दण्डकरण्य पठार' से होता है तथा यह नदी छत्तीसगढ तथा उडीसा से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- महानदी की कुल लंबाई 860 किमी. है ।
- यह नदी एक कटोरे के आकार के बेसिन का निर्माण करती है । (चीन में 'हुआंग हे' नदी)
- इस नदी का बेसिन चावल की खेती के लिए विख्यात है तथा छत्तीसगढ को 'भारत का चावल का कटोरा' कहते है ।
- इस नदी पर ओडिसा राज्य में 'हीराकुण्ड बांध' स्थित है, जो कि भारत का सबसे लम्बा बांध है ।
- इब, मंड, हसदेव, शयोनाथ, तेल, जोंक इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(c). गोदावरी

- भारत की दूसरी सबसे लम्बी नदी ।
- इस नदी का उद्गम 'पश्चिमी घाट' में स्थित 'कलसुबाई चोटी (त्रिम्बक पठार में स्थित)' से होता है ।
- गोदावरी नदी के उपनाम वृद्धगंगा, बुढी गंगा, गौतमी है ।
- इसकी कुल लंबाई 1465 किमी. है ।
- यह नदी मुख्यतः महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना में बहती है ।
- इस नदी के सहारे भारत का प्रमुख शहर नासिक बसा हुआ है । अन्य नगर - निजामाबाद, राजमुंदरी आदि है ।
- यह नदी महाराष्ट्र, तेलंगाना तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- आन्ध्रप्रदेश में इस नदी पर 'पोलावरम परियोजना' का विकास किया जा रहा है ।
- पूर्णा, प्राणहिता, वेन गंगा, पेन गंगा, इन्द्रावती, सिलेरू आदि इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है
- सिलेरू नदी पर उडीसा में 'बालिमेला बांध' बना हुआ है ।

(d). कृष्णा

- इस नदी का उद्गम पश्चिमी घाट में 'महाबलेश्वर चोटी' से होता है तथा यह नदी महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा आन्ध्रप्रदेश राज्यों से बहते हुए डेल्टा बनाने के पश्चात् 'बंगाल की खाडी' में गिरती है ।
- इस नदी कि कुल लंबाई 1400 किमी. है ।

- कृष्णा नदी व गोदावरी दोनों मिलकर एक डेल्टा का निर्माण करती है । डिसका नाम केजी डेल्टा है ।
- कृष्णा नदी का उपनाम कृष्णवेणा है ।
- इस नदी पर महाराष्ट्र में कोयना बांध बना हुआ है ।
- विजयवाडा शहर कृष्णा नदी के किनारे बसा हुआ है ।
- कोयना, घाटप्रभा, मालप्रभा, तुंगभद्रा, भीमा, मुसी इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(e). कावेरी

- इस नदी का उदगम पश्चिमी घाट में स्थित ब्रह्मगिरी पहाडियों से होता है ।
- यह नदी कर्नाटक व तमिलनाडु राज्यों से बहती है ।
- कर्नाटक राज्य में इस नदी पर 'कृष्णराज सागर बाँध' स्थित है, जबकि तमिलनाडु में 'मेटुर बाँध' स्थित है ।
- इस नदी पर विख्यात 'शिव समुद्रम जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी को दक्षिण की गंगा के उपनाम से जाना जाता है ।
- इस नदी की कुल लम्बाई 800 किमी. है
- इसके किनारे पर बसे नगर मैसूर, तिरूचिरापल्ली, श्रीरंगपट्टनम आदि है ।
- इस नदी पर कर्नाटक में कृष्णा राजा सागर बांध है ।
- इस नदी में विख्यात 'श्रीरंगपट्टनम नदी द्वीप' स्थित है ।
- हेमावती, अर्कवती, भवानी, लक्ष्मणतीर्थ इस नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ है ।

(f). वैगई नदी :-

- 'मदुरई शहर' वेगई नदी के किनारे बसा है ।

2. पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ :

(a). लूणी नदी

- इस नदी का उदगम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी कच्छ के रण में जाकर गिरती है ।
- राजस्थान के पश्चिम मरूस्थलीय भाग की सबसे प्रमुख नदी है ।
- इसे भारत की लवण नदी भी कहते है ।
- इसकी सहायक नदियां - मिठडी, जवाई, जोजडी, लीलडी है ।
- इसकी कुल लम्बाई 495 किमी. है ।
- यह नदी थार रेगिस्तान कि सबसे बडी नदी है
- इस नदी में कभी-कभी ज्यादा पानी आने से राजस्थान का बालोतरा (बाडमेर) में बाढ आ जाती है ।
- अपने उदगम से लेकर बाडमेर में स्थित 'बालोतरा' नामक स्थान तक इस नदी का जल मीठा है तथा इसके पश्चात् इस नदी में खारा जल पाया जाता है ।

(b). साबरमती

- इस नदी का उदगम अरावली पर्वतों से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- इस नदी कि कुल लंबाई 371 किमी. है ।
- प्रमुख सहायक नदियां बाकल, हथमती, माजम आदि है ।
- 'गांधीनगर' व 'अहमदाबाद' शहर इस नदी के किनारे बसे है ।

(c). माही नदी

- इस नदी का उदगम मध्यप्रदेश में विन्ध्याचल पर्वतों से होता है तथा राजस्थान व गुजरात से बहने के पश्चात यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है
- इसकी कुल लंबाई 576 किमी. है ।
- गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश में बहने वाली नदी है ।
- सहायक नदियां - सोम, जाखम, मोरेल, अनास आदि है ।
- उपनाम - आदिवासियों की गंगा, बांगड की गंगा, काठल की गंगा, दक्षिण राजस्थान की स्वर्ण रेखा
- यह नदी 'कर्क रेखा' को दो बार काटती है ।
- माही नदी पर राजस्थान का सबसे लम्बा बांध माही बजाज सागर बांध बना है ।
- माही नदी पर राजस्थान का सबसे ऊँचा बांध जाखम बांध भी बना हुआ है ।

Note

- विषुवत रेखा को दो बार काटने वाली नदी - कांगो (अफ्रीका)
- मकर रेखा को दो बार काटने वाली नदी - लिम्पोपो (अफ्रीका)

(d). नर्मदा नदी

- इस नदी का उद्गम मध्यप्रदेश में 'अमरकंटक पठार' से होता है तथा यह नदी 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात में बहती है ।
- इसकी कुल लंबाई 1312 किमी. है ।
- नर्मदा के उपनाम – मैकालसुता, शंकरी (शिवकी पुरी, रेवा, सौंगो, सोमदेव, नमादोरा आदि है ।)
- इस नदी का उल्लेख भारत के वेद सामवेद में मिलता है ।
- इस नदी के किनारे विश्व कि सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी (सरदार वल्लभ भाई पटेल) स्थित है ।
- यह नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है ।
- यह एक नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह नदी 'विन्ध्याचल पर्वतों' तथा 'सतपुडा पर्वतों' के मध्य स्थित 'भ्रंश घाटी' से बहती है ।
- इस नदी पर 'जबलपुर' के नजदीक 'धुँआधार जलप्रपात (जिसे संगमरमर जल प्रपात भी कहा जाता है)' तथा 'कपिलधारा जल प्रपात' स्थित है ।
- इस नदी पर मध्यप्रदेश में 'इन्दिरा सागर परियोजना/बांध' स्थित है, जिससे बनने वाला 'इन्दिरा सागर जलाशय' भारत की सबसे बडी मानव निर्मित झील है ।
- गुजरात में इस नदी पर 'सरदार सरोवर परियोजना/बांध' स्थित है जो कि गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है ।
- हिरण, तवा, छोटा तवा व कुण्डी नर्मदा की कुछ प्रमुख सहायक नदियाँ है ।
- गुजरात का प्रमुख शहर 'भंडौच' नर्मदा नदी के किनारे स्थित है ।

(e). तापी नदी

- इस नदी का उद्गम मध्यप्रदेश में 'बैतुल पठार' से होता है तथा यह 'खम्भात की खाडी' में जाकर गिरती है ।
- यह नदी नदमुख का निर्माण करती है ।
- यह 'सतपुडा व अजन्ता पहाडियों' के मध्य स्थित भ्रंश घाटी से बहती है ।
- इस नदी पर गुजरात में 'उकाई' तथा 'काकरापारा' परियोजनाएँ स्थित है ।
- इसकी सहायम नदी पूर्णा है ।
- भारत कि यह नदी पूर्व से पश्चिम कि ओर बहने वाली दूसरी नदी है ।
- कुल लम्बाई 740 किमी. है ।
- उपनाम–सूर्यपुत्री, तापी आदि है ।
- 'सूरत' शहर इसी नदी के किनारे बसा है ।

(f). शरावती नदी :– कर्नाटक में 'जोग जल प्रपात' इसी नदी पर स्थित है ।

(g). पेरियार नदी

- इस नदी का उद्गम पश्चिमी घाट से होता है तथा यह अरब सागर में जाकर गिरती है ।
- यह केरल की सबसे प्रमुख नदी है तथा इसे 'केरल की जीवन रेखा' कहा जाता है ।
- इस नदी पर केरल में 'इडुकी परियोजना (Idukki Project)' स्थित है ।

अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र

घग्घर नदीः–

- इस नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश में शिमला कालका की पहाडियों से होता है ।
- यह हरियाणा से होती हुई राजस्थान के गंगानगर जिले के हनुमानगढ नामक स्थान तक जाती है ।
- मानसून के दौरान यह नदी पाकिस्तान के फोर्ट अब्बास नामक स्थान तक जाती है ।
- यह नदी भारत के सबसे बडे अन्तः स्थलीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है ।

भारत के प्रमुख बांध

क्र. सं.	बांध परियोजना	नदी का नाम	राज्य का नाम
1.	टिहरी बांध	भागीरथी नदी	उत्तराखंड
2.	हीराकुंड बांध	महानदी	उड़ीसा
3.	सरदार सरोवर बांध	नर्मदा नदी	गुजरात
4.	फरक्का बांध परियोजना	हुगली नदी	पश्चिम बंगाल
5.	उरी बांध	झेलम नदी	जम्मू कश्मीर
6.	दुलहस्ते बांध	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
7.	सलाल बांध परियोजना	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
8.	बगलिहार बांध	चिनाब नदी	जम्मू कश्मीर
9.	रणजीत सागर बांध (थीन बांध)	रावी नदी	जम्मू-कश्मीर और पंजाब
10.	भाखड़ा नांगल बांध	सतलज नदी	हिमाचल प्रदेश और पंजाब
11.	पोंग बांध	व्यास नदी	हिमाचल प्रदेश
12.	नाथपा झाकड़ी बांध	सतलज नदी	हिमाचल प्रदेश
13.	धौलीगंगा बांध	धौली गंगा नदी	उत्तराखंड
14.	रिहंद बांध	रिहंद नदी	उत्तर प्रदेश
15.	रानी लक्ष्मीबाई (राजघाट बांध)	बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश
16.	माताटीला बांध	बेतवा नदी	उत्तर प्रदेश
17.	मैथन बांध	बराकर नदी	झारखंड
18.	तिलैया बांध	बराकर नदी	झारखंड
19.	पंचेत बांध	दामोदर नदी	झारखंड
20.	मयूराक्षी बांध परियोजना	मयूराक्षी नदी	पश्चिम बंगाल
21.	बीसलपुर बांध	बनास नदी	राजस्थान
22.	माही बजाज सागर	माही नदी	राजस्थान
23.	राणा प्रताप सागर बांध	चंबल नदी	राजस्थान
24.	जवाहर सागर बांध	चंबल नदी	राजस्थान
25.	गांधी सागर बांध	चंबल नदी	मध्य प्रदेश
26.	इंदिरा सागर बांध	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश
27.	ओंकारेश्वर बांध परियोजना	नर्मदा नदी	मध्य प्रदेश
28.	उकाई बांध	तापी नदी	गुजरात
29.	काकरापार बांध	तापी नदी	गुजरात
30.	कोयना बांध	कोएना नदी	महाराष्ट्र
31.	उजनी बांध	भीमा नदी	महाराष्ट्र
32.	जायकवाडी बांध	गोदावरी नदी	महाराष्ट्र
33.	कृष्णा राजा सागर बांध	कावेरी नदी	कर्नाटक
34.	शिवसमुद्रम बांध परियोजना	कावेरी नदी	कर्नाटक
35.	अलमाटी बांध	कृष्णा नदी	कर्नाटक
36.	तुंगभद्रा बांध	तुंगभद्रा नदी	कर्नाटक
37.	नागार्जुन सागर बांध	कृष्णा नदी	तेलंगाना
38.	पोचमपाद बांध (श्रीराम सागर प्रोजेक्ट)	गोदावरी नदी	तेलंगाना
39.	श्रीशैलम बांध	कृष्णा नदी	आंध्र प्रदेश
40.	सोमासिला बांध	पेन्नार नदी	आंध्र प्रदेश
41.	इडुक्की बांध	पेरियार नदी	केरल
42.	मुल्लापेरियार बांध	पेरियार नदी	केरल
43.	बनसुरा सागर बांध	काबिनी नदी	केरल
44.	मेट्टूर बांध	कावेरी नदी	तमिलनाडु
45.	कल्लनाई बांध	कावेरी नदी	तमिलनाडु

भारत की महत्वपूर्ण झीलें

झील	राज्य	प्रकार	विशेषताएँ
कोल्लेरू झील	आंध्र प्रदेश	मीठे पानी में भारत की सबसे बड़ी झील।	• **कृष्णा** और **गोदावरी डेल्टा** के बीच स्थित है। • 2002 में अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि - रामसर साइट का भाग हैं|
सांभर झील	राजस्थान	खारेपानी की झील	• भारत की **सबसे बड़ी अंतर्देशीय लवणीय** झील। • **रामसर** आर्द्रभूमि • **महाभारत** में सांभर झील का उल्लेख राक्षस राजा बृषपर्व के राज्य के हिस्से के रूप में किया गया है।
पुष्कर झील	राजस्थान	मीठे पानी में	• राजस्थान के **अजमेर** जिले के **पुष्कर** में। • हिंदुओं की एक **पवित्र** झील। • नवंबर में कार्तिक पूर्णिमा के त्योहार के दौरान हजारों तीर्थयात्री झील के पानी में स्नान करने आते हैं।
लोनार झील	महाराष्ट्र	लवणीय	• 50,000 साल पहले एक **उल्कापिंड** के पृथ्वी से **टकराने के बाद** बना था • हाल ही में इसका **रंग** रातों-रात **गुलाबी** हो गया। कुछ विशेषज्ञों का सुझाव है कि गुलाबी रंग **शैवाल की उपस्थिति** और **पानी** के **निम्न स्तर** के कारण हो सकता है
पुलिकट झील	आंध्र प्रदेश	लवणीय	• **दूसरी सबसे बड़ी लवणीय** झील। • **श्रीहरिकोटा का परीध द्वीप** झील को बंगाल की खाड़ी से अलग करता है।
लोकटक झील	मणिपुर	मीठे पानी	• उत्तर-पूर्वी भारत मे **केइबुल लामजाओ** - दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान इसके ऊपर तैरता है • **भौंह-मृग हिरण - लुप्तप्राय संगाई** का अंतिम प्राकृतिक आश्रय।
सस्थमकोट्टा झील	केरल	मीठे पानी	• पीने के उपयोग के लिए **झील के पानी की शुद्धता** को **कैवाबोरस** नामक **लार्वा** की एक बड़ी आबादी की उपस्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है जो झील के पानी में बैक्टीरिया का सेवन करता है।
वेम्बनाड झील	केरल	मीठे पानी और लवणीय प्रकार की हैं ।	• भारत की **सबसे लंबी झील केरल** राज्य की सबसे बड़ी झील। • **नेहरू ट्रॉफी बोट रेस** झील के एक हिस्से में आयोजित की जाती है
चिल्का झील	ओडिशा	लवणीय	• भारत में **सबसे बड़ा तटीय लैगून** • दुनिया का **दूसरा सबसे बड़ा लैगून।** भारतीय उपमहाद्वीप में प्रवासी पक्षियों के लिए **सबसे बड़ा शीतकालीन मैदान।** • खारे पानी की **तटीय झील।**
डल झील	जम्मू कश्मीर	लवणीय	• इसको **"कश्मीर के ताज"** या **"श्रीनगर का गहना"** भी कहा जाता हैं । एशिया का सबसे बड़ा **ट्यूलिप गार्डन** डल झील के किनारे है। • मुगल उद्यान, शालीमार बाग और निशात बाग इसके किनारे पर हैं।
नलसरोवर झील	गुजरात	मीठे पानी	• **1969** में एक **पक्षी अभयारण्य** घोषित किया गया।
सोंगमो झील	सिक्किम	मीठे पानी	• **चांगू झील** • **पूर्वी सिक्किम** में एक हिमनद झील। • **गुरु पूर्णिमा उत्सव** का स्थान ।
भीमताल झील	उत्तराखंड	मीठे पानी	• **कुमाऊं** क्षेत्र की **सबसे बड़ी** झील। • **"सी"** के **आकार** का।
बारापानी झील	मेघालय	मीठे पानी	• **उमियम झील।** • भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में **उमियाम-उमट्रू हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट**-पहली हाइडल पावर प्रोजेक्ट - **1965** में गठित।
नैनी झील	उत्तराखंड	मीठे पानी	• गुर्दे के आकार का या **अर्धचंद्राकार।** • **नैनीताल** में स्थित
पेरियार झील	केरल	मीठे पानी	• **1895** में **मुल्लापेरियार नदी** पर बांध के निर्माण द्वारा निर्मित

			• इसके किनारे पर एक **हाथी अभ्यारण्य और पेरियार वन्यजीव अभयारण्य।**
हुसैन सागर झील	तेलंगाना	मीठे पानी	• **1562** में इब्राहीम क़ुली क़ुतुब शाह के शासन के दौरान हजरत हुसैन शाह वली द्वारा निर्मित। • **हैदराबाद** और **सिकंदराबाद** को जोड़ता है।
सलीम अली झील	महाराष्ट्र	मीठे पानी	• **महान पक्षी** विज्ञानी, **प्रकृतिवादी सलीम अली** (भारत के पक्षी विज्ञानी) के नाम पर रखा गया।
कावर झील	बिहार	मीठे पानी	• एशिया की **सबसे बड़ी मीठे पानी की गोखुर झील।**
नक्की झील	राजस्थान	मीठे पानी	• **अरावली श्रेणी** में **माउंट आबू** में। • इसमें **महात्मा गांधी की अस्थियों को विसर्जित** किया गया और **गांधी घाट का निर्माण** किया गया।
भोजताल झील	मध्य प्रदेश	मीठे पानी	• **अपर लेक** • भोपाल के **पश्चिमी किनारे** पर **स्थित** है। • **एशिया** की **सबसे बड़ी कृत्रिम झील**।
वुलर झील	जम्मू कश्मीर	मीठे पानी	• भारत में **मीठे पानी की सबसे बड़ी झील।** • **विवर्तनिक गतिविधि** के **परिणामस्वरूप** निर्मित और **झेलम नदी द्वारा** पोषित है।
अष्टमुडी झील	केरल	मीठे पानी	• **केरल** के **कोल्लम** जिले में एक लैगून। • **रामसर कन्वेंशन**/अधिनियम के तहत अंतरराष्ट्रीय महत्व **की आर्द्रभूमि।**

वन्य जीव जन्तु एवं अभ्यारण

- किसी क्षेत्र में मिलने वाली जीवन की विभिन्नता (Variation), उस क्षेत्र की 'जैव–विविधता' कहलाती है।
- किसी क्षेत्र की जैव–विविधता (Bio-Diversity) का अनुमान लगाते समय उस क्षेत्र में मिलने वाली प्रजातिय विविधता (Species), आनुवांशिक विविधता (Genetic) तथा पारिस्थितिकी विविधता को सम्मिलित किया जाता है
- जैव विविधता किसी क्षेत्र में जीवन के अस्तित्व के बने रहने की संभावनाओं को बढ़ा देती है। जैव विविधता की महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसके संरक्षण के लिए भारत में मुख्य रूप से 3 प्रकार के सुरक्षित/आरक्षित क्षेत्र स्थापित किए गए हैं –
  - वन्य जीव अभ्यारण्य – 566
  - राष्ट्रीय उद्यान (पार्क) – 104
  - जैव आरक्षित क्षैत्र – 18

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान (National Park)

क्रमांक	राज्य का नाम	संरक्षित क्षेत्र का नाम	अधिसूचना का वर्ष	क्षेत्रफल (किमी^{2} में)
1.	आंध्र प्रदेश	(i) पपिकोंडा	2008	1012.8588
2.		(ii) राजीव गाँधी (श्रीरामेश्वरम)	2005	2.3952
3.		(iii) श्री वेंकटेश्वर	1989	353.62
4.	अरुणाचल प्रदेश	(iv) नागदफा राष्ट्रीय उद्यान	1986	483
5.		(v) मोलिंग राष्ट्रीय उद्यान	1983	1807.82
6.	असम	(i) डिब्रू–सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान	1999	340
7.		(ii) काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	1974	858.98
8.		(iii) मानस राष्ट्रीय उद्यान	1990	500
9.		(iv) नामेरी	1998	200
10.		(v) राजीव गाँधी (ओरंग)	1999	78.81
11.	बिहार	(i) वाल्मीकि	1989	335.65
12.	छत्तीसगढ	(i) गुरु घासीदास (संजय)	1981	1440.71

13.		(ii) इंद्रावती (कुटरू)	1982	1258.37
14.		(iii) कांगार घाटी	1982	200
15.	गोवा	(i) मोल्लेम	1992	107
16.	गुजरात	(ii) ब्लैकबक (वेलवदार)	1976	34.53
17.		(iii) गिर	1975	258.71
18.		(iv) समुद्री (कच्छ की खाड़ी)	1982	162.89
19.		(v) वासंदा	1979	23.99
20.	हरियाणा	(i) कालेसारी	2003	46.82
21.		(ii) सुल्तानपुर	1989	1.43
22.	हिमाचल प्रदेश	(i) ग्रेट हिमालयन	1984	754.4
23.		(ii) इन्द्रकिला	2010	94
24.		(iii) खीरगंगा	2010	705
25.		(iv) पिन वैली	1987	675
26.		(v) सिम्बलबारा	2010	27.88
27.	झारखंड	(i) बेतला	1986	226.33
28.	कर्नाटक	(i) अंशी राष्ट्रीय उद्यान	1987	417.34
29.		(ii) बांदीपुर	1974	872.24
30.		(iii) बन्नेरुघट्टा	1974	260.51
31.		(iv) कुद्रेमुख	1987	600.57
32.		(v) नागरहोल (राजीव गाँधी)	1988	643.39
33.	केरल	(i) अन्नामुडी शोला	2003	7.5
34.		(ii) एराविकुलम	1978	97
35.		(iii) मथिकेटन शोला	2003	12.82
36.		(iv) पंम्बाटुम शोला	2003	1.32
37.		(v) पेरियार	1982	350
38.		(vi) साइलेंट वैली	1984	89.52
39.	मध्य प्रदेश	(i) बांधवगढ़	1968	448.842
40.		(ii) फॉसिल	2011	0.897
41.		(iii) इन्द्रा प्रियदर्शनी पेंच	1983	0.27
42.		(iv) कान्हा	1975	292.857
43.		(vi) पन्ना	1955	941.793
44.		(viii) संजय	2018	748.761
45.		(ix) सतपुड़ा	1959	375.23
46.		(x) माधव	1981	542.66

47.		(xi) डायनासोर जीवाश्म	1981	464.643
48.		(xii) वन विहार	1981	528.729
49.		(xiii) कूनो	1979	4.452
50.	महाराष्ट्र	(i) चंदौली	2004	317.67
51.		(ii) गुगामल	1975	361.28
52.		(iii) नवेगांव	1975	133.88
53.		(iv) पेंच (जवाहरलाल नेहरू)	1975	257.26
54.		(v) संजय गाँधी (बोरावली)	1983	86.96
55.		(vi) तदोबा	1955	116.55
56.	मणिपुर	(i) कीबुल–लामजाओ	1977	40
57.		(ii) शिरोई	1982	100
58.	मेघालय	(i) बलफकरम	1986	220
59.		(ii) नोकरेक	1997	47.48
60.	मिजोरम	(i) मुर्लेन	1991	100
61.		(ii) फौंगपुई (नीला पर्वत)	1992	50
62.	नागालैंड	(i) इन्टाकी	1993	202.02
63.	ओडिशा	(i) भीतरकनिका	1988	145
64.		(ii) सिमलीपाल	1980	845.7
65.	राजस्थान	(i) डेजर्ट	1992	3162
66.		(ii) केवलादेव घाना	1981	28.73
67.		(ii) मुकुदरा हिल्स	2006	200.54
68.		(iii) रणथम्भौर	1980	282
69.		(iv) सरिस्का	1992	273.8
70.	सिक्किम	(i) कंचनजंगा	1977	1784
71.	तमिलनाडु	(i) गुइंडी	1976	2.7057
72.		(ii) समुद्री (मन्नार की खाड़ी)	1980	526.02
73.		(iii) इंदिरा गाँधी (अन्नामलाई)	1989	117.1
74.		(iv) मुदुमलै	1990	103.23
75.		(v) मुकुर्थी	1990	78.46
76.	तेलंगाना	(i) कासू ब्रह्मानंद रेड्डी	1994	1.425
77.		(ii) महावीर हरिण वनस्थली	1994	14.59
78.		(iii) मृगवनी	1994	3.6
79.	त्रिपुरा	(i) क्लाउडेड लेपर्ड	2007	5.08

80.		(ii) बिसन (राजबारी)	2007	31.63
81.	उत्तर प्रदेश	(i) दुधवा नेशनल पार्क	1977	490
82.	उत्तराखंड	(i) कार्बेट	1936	520.82
83.		(ii) गंगोत्री	1989	2390.02
84.		(iii) गोविंद	1990	472.08
85.		(iv) नंदा देवी	1982	624.6
86.		(v) राजाजी	1983	820
87.		(vi) फूलों की घाटी	1982	87.5
88.	पश्चिम बंगाल	(i) बक्सा	1992	117.1
89.		(ii) गोरुमारा	1992	79.45
90.		(iii) जलदापारा	2014	216.34
91.		(iv) न्योरा घाटी	1986	159.8917
92.		(v) सिंगालीला	1986	78.6
93.		(vi) सुन्दरवन	1984	1330.1
94.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	(i) कैम्पबॅल बे	1992	426.23
95.		(ii) गैलाथिया बे	1992	110
96.		(iii) महात्मा गाँधी मरीन (वंडूर)	1983	281.5
97.		(iv) माउंट हैरियट	1987	46.62
98.		(v) रानी झांसी मरीन	1996	320.06
99.		(vi) सैडल पीक	1987	32.54
100.	जम्मू और कश्मीर	(i) सिटी फॉरेस्ट (सलीम अली)	1992	9.07
101.		(ii) दाचीगाम	1981	141
102.		(iii) काजी नाग	2000	90.88
103.		(i) किश्तवाड़	1981	2191.5
104.	लद्दाख	(i) हेमिस	1981	3350

भारत के बायोस्फीयर रिजर्व

- वर्तमान में भारत में 18 जैव आरक्षित क्षेत्र स्थापित किये गए है–

बायोस्फीयर	राज्य	आवृत क्षेत्र	प्रमुख जीव
नीलगीरी बायोस्फीयर रिजर्व	तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल	नायनाड, नागरहोल, बांदीपुर और मुदूलभाई, नीलांबुर, साइलेंट वैली सिरुवानी पहाडियों के कुछ हिस्से	नील गीरी तहर और शेर- पूछ मैकाक
मन्नार की खाडी	तमिलनाडु	दक्षिण कन्याकुमारी व उत्तर प्रदेश रामेश्वरणम के हिस्से	डूगोग या समुद्री गाय
सुंदरवन	पश्चिम बंगाल	गंगा और ब्रहमपुत्र नदी के डेल्टा के कुछ हिस्से	रॉयल बंगाल टाइगर
नंदा नदी देवी नेशनल पार्क और बायोस्फीयर रिजर्व		उत्तराखंड के चमोली पिथौरागढ और अल्मोडा जिले कुछ हिस्से	हिलालयी या हिम तेंदुआ
नोकरेक	मेघालय	पूर्व पश्चिम और दक्षिण गाारो पहाडी के जिले	लाल पांडा
पचमढी बार्योस्फीयर रिजर्व	मध्य प्रदेश	बेतुल, होशंगाबाद और छिंदवाडा का कुछ हिस्से	बडी गिलहरी और उडने वाली गिलहरी
सिमलीपाल	ओडिसा	मयूरभंज जिले के कुछ हिस्से	गौर, रॉयल बंगाल टाइगर और जंगली हाथी
अचानकमार – अमरकंटक	मध्यप्रदेश और छतीसगढ	अनुपूर, डिंडोरी और विलासपुर जिले के कुछ हिस्से	तेंदुए, गौर और चीतल 4 सींग वाले मृग सॉर्फ्रेन
ग्रेट निकोबार द्वीप बायोस्फीयर रिजर्व	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	अंडमान और निकोबार का दक्षिण द्वीप समूह	समुद्री मगरमच्छ
अगस्त्यामलाई बायोस्फीयर रिजर्व	तमिलनाडु, केरल	तिरूनेलवेली, कन्याकुमारी और पथानमथिट्टा जिले के हिस्से	नीलगिरी तहर और हाथी
मानस	असम	कोकराझार, बोंगाईगॉव, बारपेटा, नालाबारी, कामरूप और दारंग जिले के हिस्से	सुनहरा लंगूर और लाल पांडा
डिब्रू सैखोवा	असम	डिब्रूगढ और तिनसुकिया जिलो के हिस्से	सुनहरा लंगूर जंगली घोडे सफेद पंखो वाला देवहंस
दिहांगा – दिबांग	अरूणाचल प्रदेश	उपरी सियांग, पश्चिम सियांग और दिबांग घाटी के हिस्से	अनुपलब्ध लाल पांडा
कंचनजंघा	सिक्किम	उत्तर और पश्चिम सिक्किम जिलो के हिस्से	हिम तेंदुआ, लाल पांडा
कच्छ का रण	गुजरात	कच्छ,राजकोट, सुरेन्द्र नगर और पाटन जिलो के हिस्से	भारतीय जंगली गधा
कोल्ड डेजर्ट	हिमाचल प्रदेश	पिन वैली राष्टीय उद्यान और इसके आसपास चंद्रताल, सरचू और किब्बर का वन्यजीव अभयारण्य	हिम तेंदुआ
शेषचलम पहाडियाँ	आन्ध्र प्रदेश	पूर्वी घाट से शेषचलम की पर्वत श्रृंखला, चित्तूर और कडप्पा जिलो के हिस्से	अनुपलब्ध Slender Lokis
पन्ना	मध्यप्रदेश	पन्ना और छतरपुर जिले के हिस्से	चीता, चीतल, चिंकारा, सांभर और सुस्त भालू

यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल:–
(i). नीलगिरी जैव आरक्षित क्षेत्र
(ii). कोल्ड डेजर्ट जैव आरक्षित क्षेत्र
(iii). नन्दा देवी जैव आरक्षित क्षेत्र
(iv). सुन्दरवन जैव आरक्षित क्षेत्र

जैव आरक्षित क्षेत्रों का वर्ल्ड नेटवर्क

- यूनेस्को के मानव तथा जैव मंडल कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न देशों में स्थित जैव आरक्षित क्षेत्रों को एक सूचना तंत्र के माध्यम से जोडा गया है ।
- इस तंत्र की सहायता से जैव आरक्षित क्षेत्रों में होने वाली शोध तथा विकास कार्यो से जुडी सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाता है ।
- वर्तमान में इस तंत्र में कुल 612 जैव आरक्षित शामिल है, जिनमें से 11 क्षेत्र भारत में स्थित है । जो निम्न है-
  (i). ग्रेट निकोबार जैव आरक्षित क्षेत्र
  (ii). मन्नार की खाडी जैव आरक्षित क्षेत्र
  (iii). नीलगिरी जैव आरक्षित क्षेत्र
  (iv). नंदा देवी जैव आरक्षित क्षेत्र
  (v). पंचमढी जैव आरक्षित क्षेत्र
  (vi). अचानकमार अमरकंटक जैव आरक्षित क्षेत्र
  (vii). सिमलीपाल जैव आरक्षित क्षेत्र
  (viii). सुन्दरवन जैव आरक्षित क्षेत्र
  (ix). नोकरेक जैव आरक्षित क्षेत्र
  (x). अगस्त्य मलाई
  (xi). कंचनजंघा

Trick. नंदा व सिमलीपाल ने नीले सुन्दर ग्रेट निकोबार व मन्नार की खाडी को पांच बार देखा फिर अचानक अमरकंटक में नोक रखकर चले गये ।

भारत के बाघ रिजर्व अभयारण्य

क्रमांक	नाम	कुल क्षेत्र	राज्य
1	नागार्जुन श्रीसैलम	3568.09	आंध्र प्रदेश
2	नामदफा	1985.245	अरूणाचल प्रदेश
3	कमलंग टाइगर्स रिजर्व	783.00	अरूणाचल प्रदेश
4	पक्के	1198.45	अरूणाचल प्रदेश
5	मानस	2837	असम
6	नामेरी	344	असम
7	ओरांग टाइगर्स रिजर्व	78.81	असम
8	काजीरंगा	1173.58	असम
9	बाल्मीकी	899.38	बिहार
10	उदंती-सीता नदी	1842.54	छत्तीसगढ
11	अचानकमार	914.017	छत्तीसगढ
12	इंद्रावती	2799.07	छत्तीसगढ
13	पलामू	1129.93	झारखंड
14	बांदीपुर	1456.3	कर्नाटक
15	भद्रा	1064.29	कर्नाटक
16	दांदेली-अंशी	1097.514	कर्नाटक
17	नागरहोल	1205.76	कर्नाटक
18	बिलीगिरी रंगनाथ टेम्पल	574.82	कर्नाटक
19	पेरियार	925	केरल
20	पारम्बिकुलम	643.662	केरल
21	कान्हा	2051.791	मध्यप्रदेश
22	पेंच	1179.63225	मध्यप्रदेश
23	बाधवगढ	1598.1	मध्यप्रदेश
24	पन्ना	1578.55	मध्यप्रदेश
25	सतपुरा	2133.30797	मध्यप्रदेश
26	संजय-दुबरी	1674.502	मध्यप्रदेश
27	मेलघाट	2768.52	महाराष्ट्र
28	तदोबा-अंधेरी	1727.5911	महाराष्ट्र
29	पेंच	741.22	महाराष्ट्र
30	सह्यादी	1165.57	महाराष्ट्र
31	नावेगांव-नागजीरा	653.674	महाराष्ट्र
32	बोर	138.12	महाराष्ट्र
33	दम्पा	988	मिजोरम
34	सिमिलीपाल	2750	ओडिशा
35	सतकोशिया	963.87	ओडिशा
36	रणथंभौर	1411.291	राजस्थान
37	सरिस्का	1213.342	राजस्थान
38	मुकुंदरा - हिल्स	759.99	राजस्थान
39	रामगढ विषधारी	1052.12	राजस्थान
40	कालकड-मुदथुरई	1601.542	तमिलनाडु
41	अन्नामलाई	1479.87	तमिलनाडु
42	मुदुमलाई	688.59	तमिलनाडु
43	सत्यामंगलम	1408.4	तमिलनाडु
44	कवाल	2019.12	तेलंगाना
45	अमराबाद	2611.39	तेलंगाना
46	दुधवा	2201.7748	उत्तरप्रदेश
47	पीलीभीत	730.2498	उत्तरप्रदेश
	अमानगढ	80.6	उत्तरप्रदेश
48	कॉर्बेट	1288.31	उत्तराखंड
49	राजाजी टी.आर	1075.17	उत्तराखंड
50	सुंदरवन	2584.89	पश्चिम बंगाल
51	बुक्सा	757.9038	पश्चिम बंगाल
52	जिम कार्बेट	1318.54	उत्तराखण्ड

जलवायु (Climate)

- भारत की जलवायु उष्ण मानसूनी प्रकार की है । कर्क रेखा भारत को लगभग दो बराबर भागों में बाँटती है । अतः इसका दक्षिणी भाग उष्णकटिबन्ध में तथा उत्तरी भाग शीतोष्ण कटिबन्ध में स्थित है, परन्तु भारत की उत्तरी सीमा पर विशाल हिमालय पर्वत, भारत को मध्य एशिया से अलग करता है और वहाँ से आने वाली ठण्डी हवा/पवनों को रोकता है । इस प्रकार समस्त भारत में मुख्यतः उष्णकटिबन्धीय जलवायु पाई जाती है ।
- भारतीय जलवायु को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में भारत की स्थिति एवं अक्षांशीय विस्तार, समुद्र से स्थल की दूरी, उत्तरी पर्वतीय श्रेणियाँ, स्थलाकृति, ऊपरी वायु परिसंचरण एवं पश्चिमी विक्षोभ तथा उष्णकटिबंधीय चक्रवात है ।
- मानसून का अभिप्राय ऐसी जलवायु से है, जिसमें ऋतु के अनुसार पवनों की दिशा में परिवर्तन हो जाता है । मानसून की उत्पत्ति से संबंधित विचारधाराओं को दो वर्गो में बाँटा गया है-
  1. क्लासिकल सिद्धान्त
  2. गतिक संकल्पना
- मानसून की उत्पत्ति से संबंधित क्लासिकल सिद्धान्त एडमण्ड हेडली द्वारा प्रस्तुत तापीय संकल्पना पर आधारित है, जिसमें वृहत् स्तर पर स्थल समीर एवं जलीय समीर के आधार पर मानसून की व्याख्या की गई है । दूसरी संकल्पना फ्लोन की गतिक संरचना है यह अन्तः उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के विस्थापन से संबंधित है । मानसून की उत्पत्ति के आधुनिक सिद्धान्त में जेट स्ट्रीम (वायुधाराओं) तिब्बत के पठार और महासागरीय क्षेत्रों (एल-निनो, दक्षिण दोलन) की भूमिका की विवेचना की गई ।
- ग्रीष्मकाल में पश्चिमी जेट वायुधारा के स्थान पर पूर्वी जेट वायुधारा तिब्बत के पठार के गर्म होने से चलने लगती है । यह पश्चिमी मानसूनी पवनों को अचानक आने में सहायता करती है । शीतकाल में पश्चिमी जेट वायुधारा भूमध्यसागरीय प्रदेशों से पश्चिमी विक्षोभों को भारतीय उपमहाद्वीप में लाने के लिए उत्तरदायी है ।
- भारत में मुख्य रूप से ग्रीष्मकालीन दक्षिण-पश्चिम मानसून की उत्पत्ति जून के प्रथम सप्ताह में होती है और सर्वप्रथम यह केरल के तट से होते हुए भारत में प्रवेश करता है । यह दो भागों में बँट जाता है ।
  1. अरब सागर शाखा 2. बंगाल की खाडी शाखा
- अरब सागर मानसून की शाखा पश्चिमी घाट से टकराकर पश्चिमी तटीय मैदान में 250 सेमी से भी अधिक वर्षा करती है । पुनः पश्चिमी घाट को पार करने के बाद नीचे आने से इसकी आर्द्रता में कमी आ जाती है, जिससे दक्षिणी पठार में बहुत कम वर्षा होती है ।
- बंगाल की खाडी की मानसूनी पवनें गंगा की डेल्टा को पार कर मेघालय की गारो, खासी एवं जयन्तिया की पहाडियों से टकराती हैं । यहाँ पहाडी कीपाकार होने के कारण यहाँ बहुत ज्यादा वर्षा होती है । मासिनराम इसी क्षेत्र में है, जहाँ 1221 सेमी वार्षिक वर्षा होती है । पुनः बंगाल की खाडी की मानसूनी पवनें पश्चिमी दिशा की ओर प्रवाहित होने लगती है और लगभग 15 जून से 30 जून के बीच पूरे भारत में निम्न दाब के क्षेत्र बन जाते है और पूर्णरूप से मानसून का आविर्भाव हो जाता है ।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून पूर्व से पश्चिम की ओर बढते हुए वर्षा की मात्रा कम होती जाती है फिर मानसून की शक्ति कमजोर होने लगती है । 1 सितम्बर तक मानसून के लौटते ही आर्द्रता कम हो जाती है और वर्षा समाप्त हो जाती है । इस वक्त तक जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश में वर्षा समाप्त हो जाती है ।
- वर्षा का अकस्मात शुरू होना ही मानसून प्रस्फोट (Mansoon Burst) कहलाता है । भारत के तटीय भागों में मानसून का प्रस्फोट सामान्यतः जून के प्रथम सप्ताह में होता है, जबकि देश के आन्तरिक भागों में मानसून जुलाई तक ही पहुँच पाता है । भारत में औसत वार्षिक वर्षा 112-115 सेमी के मध्य होती है, लेकिन इसमें व्यापक क्षेत्रीय भिन्नताएँ पाई जाती है
- भारत की वार्षिक जलवायु की अवस्थाओं के आधार पर भारतीय मौसम विभाग ने वर्षा को चार ऋतुओं में बाँटा-

  (क) उत्तर-पूर्वी मानसून के अंतर्गत-
  1. शीत ऋतु
  2. ग्रीष्म ऋतु

  (ख) दक्षिण-पश्चिमी मानसून के अंतर्गत-
  1. वर्षा ऋतु
  2. शरद् ऋतु

भारत की जलवायु का वर्गीकरण

कोपेन का भारतीय जलवायु का वर्गीकरण

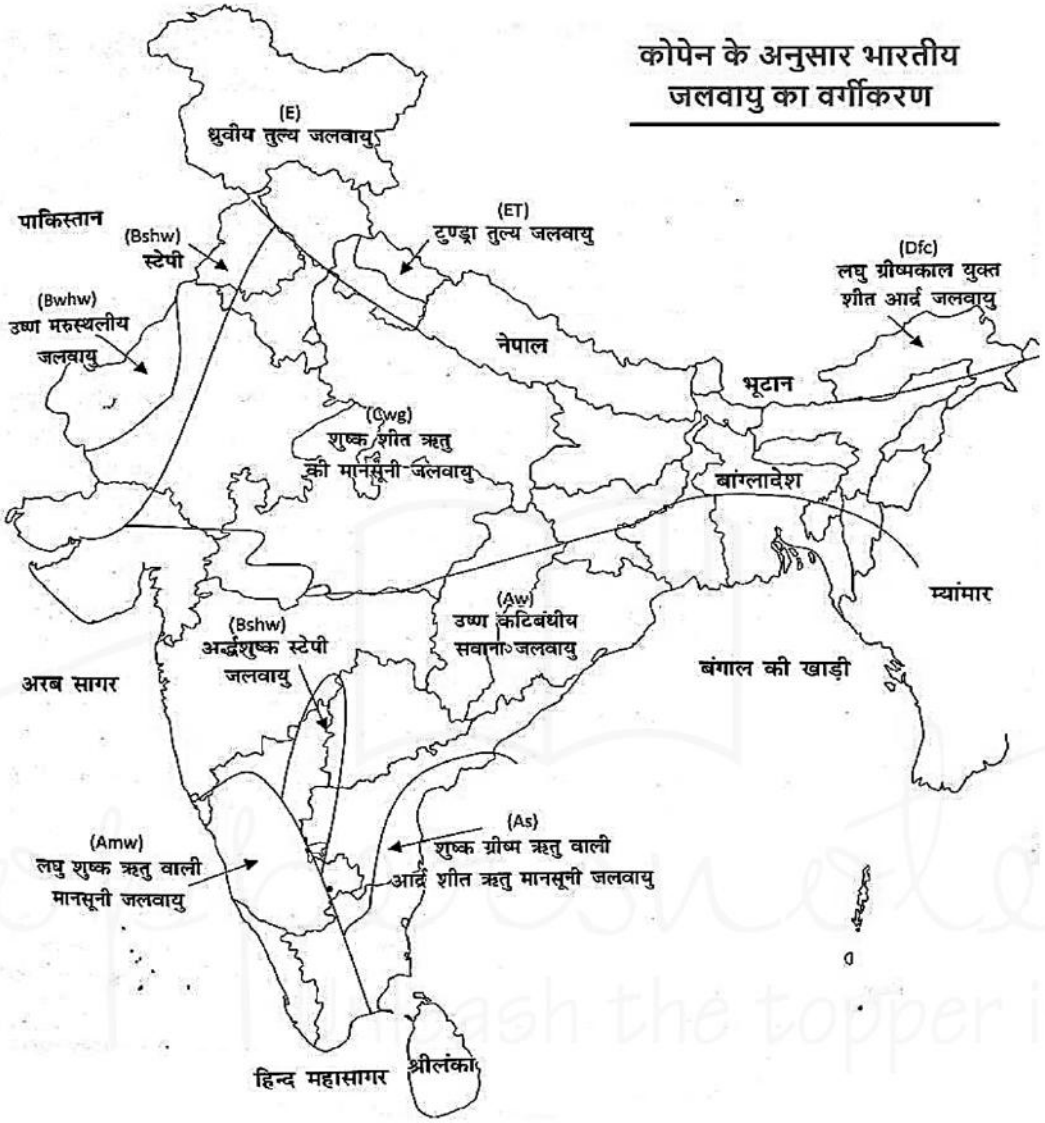

कोपेन की योजना के अनुसार भारत के जलवायु प्रदेश

	जलवायु के प्रकार	क्षेत्र
Amw	लघु शुष्क ऋतु वाला मानसून प्रकार	गोवा के दक्षिण में भारत का पश्चिमी तट
As	शुष्क ग्रीष्म ऋतु वाला मानसून प्रकार	तमिलनाडु का कोरोमंडल तट
Aw	उष्ण कटिबंधीय सवाना प्रकार	कर्क वृत्त के दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार का अधिकतर भाग
BShw	अर्ध शुष्क स्टेपी जलवायु	उत्तर पश्चिमी गुजरात, पश्चिमी राजस्थान और पंजाब के
BWhw	गर्म मरूस्थल	कुछ भाग राजस्थान का सबसे पश्चिमी भाग
Cwg	शुष्क षीत ऋतु वाला मानसून प्रकार	गंगा का मैदान, पूर्वी राजस्थान, उत्तरी-मध्य प्रदेश, उत्तर पूर्वी भारत का अधिकतर प्रदेश
Dfc	लघु ग्रीष्म तथा ठंडी आर्द्र शीत ऋतु	अरूणाचल प्रदेश वाला जलवायु प्रदेश
E	ध्रुवीय प्रकार	जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड

स्टाम्प और केंड्रयूज का वर्गीकरण

- देश को **दो व्यापक जलवायु** क्षेत्रों में **विभाजित** करने के लिए जनवरी के लिए **औसत मासिक तापमान** के **18 डिग्री सेल्सियस** समतापरेखा (समताप रेखा)का इस्तेमाल किया:
    - **उत्तर** में **समशीतोष्ण** या महाद्वीपीय क्षेत्र
    - **दक्षिण** में **उष्णकटिबंधीय** क्षेत्र।
- यह प्रायद्वीप की तल पर , कर्क रेखा के साथ या उसके समानांतर चलता है।

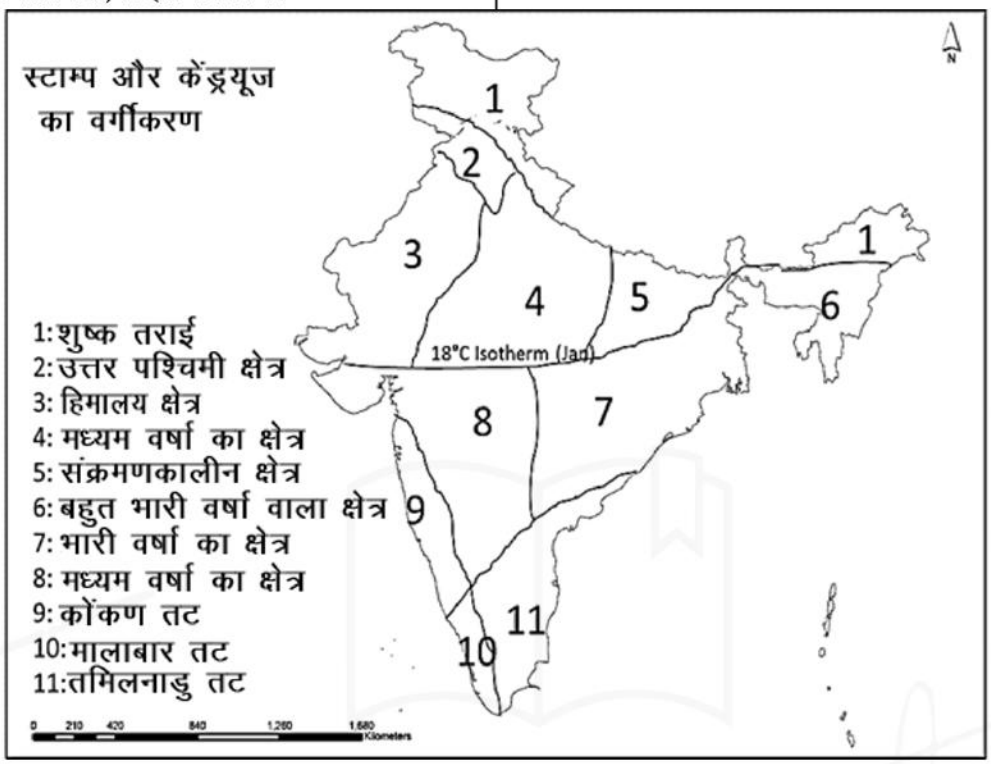

समशीतोष्ण या महाद्वीपीय भारत

क्षेत्र	औसत तापमान	वार्षिक वर्षा
हिमालय	गर्मी- 4°-7°C सर्दी- 13°-18°C	पूर्व -> 200 सेमी पश्चिम - बहुत कम
उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र - उत्तरी पंजाब / दक्षिणी जम्मू और कश्मीर	गर्मी- 16°C सर्दी-24°C	<200 सेमी
शुष्क तराई थार रेगिस्तान, दक्षिण पश्चिम हरियाणा, कच्छ	सर्दी- 16° से 24°C गर्मी- 48°C	<40 सेमी
मध्यम वर्षा का क्षेत्र पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी UP , दिल्ली, उत्तर-पश्चिम MP और पूर्वी राजस्थान	सर्दी- 15°-18°C गर्मी- 33°-35°C	40 - 80 सेमी
संक्रमणकालीन क्षेत्र पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार	सर्दी-15°-19°C गर्मी-30°- 35°C	100 -150 सेमी

उष्णकटिबंधीय भारत

क्षेत्र	औसत तापमान	वार्षिक वर्षा
बहुत भारी वर्षा वाला क्षेत्र मेघालय, असम, त्रिपुरा, मिजोरम और नागालैंड	सर्दी- 18°C गर्मी- 32°-35°C	200 से अधिक
भारी वर्षा का क्षेत्र छत्तीसगढ़, झारखंड, गंगा का क्षेत्र पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश	सर्दी- 18°-24°C गर्मी- 29°-35°C	100 - 200 सेमी
मध्यम वर्षा का क्षेत्र पश्चिमी और पूर्वी घाटों के बीच	सर्दी- 18°-24°C गर्मी- 32°C	50 -100 सेमी
कोंकण तट उत्तर में मुंबई से दक्षिण में गोवा तक	24°-27°C	200 सेमी . से अधिक
मालाबार तट गोवा से कन्याकुमारी	27°C	250 सेमी . से अधिक
तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के आसपास के क्षेत्र	24°C	100 से 150 सेमी(मानसून की वापसी)